<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने "विश्व भविष्य ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2024" में अंतर्दृष्टि शेयर की</u>

इरेडा का रणनीतिक कदम: ग्रीन हाइड्रोजन और आरई विनिर्माण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए गिफ्ट सिटी कार्यालय

अबू धाबी, 17 अप्रैल 2024

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में एक कार्यालय का उद्घाटन किया है, जोकि विदेशी मुद्रा-मूल्य वाले ऋण विकल्पों के प्रावधान के बारे में विशेषज्ञता रखता है, जो ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण परियोजनाओं से जुड़ी वित्तपोषण लागत को काफी कम कर देगा, नेचुरल हेजिंग की सुविधा प्रदान करेगा, और इस प्रकार हरित भविष्य की दिशा में देश की यात्रा को तीव्र करेगा । इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज अबू धाबी में विश्व भविष्य ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2024 में "दीर्घ अवधि ऊर्जा भंडारण के लिए भविष्य के विकास के अवसर" के विषय पर एक पैनल चर्चा के दौरान रणनीतिक पहल के बारे में प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में, श्री दास ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से अधिक हाइड्रोजन उत्पादन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में ऊर्जा भंडारण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने भंडारण प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए कई प्रमुख प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला।

श्री दास ने ऊर्जा भंडारण समाधानों की लागत-प्रभावशीलता और प्रदर्शन में सुधार के लिए अनुसंधान और विकास प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों की सफलतापूर्वक तैनाती के लिए आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को मजबूत करने वाली नीतियों को लागू करना आवश्यक है । इसके लिए प्रतिस्पर्धी और अनुकूलित वित्तीय समाधान प्रदान करने से ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

भारत ने इस दिशा में सक्रिय कई कदम उठाए हैं, जिसमें वर्ष 2047 तक भंडारण आवश्यकता रोडमैप का निर्माण, प्रौद्योगिकी-अज्ञेयवादी भंडारण निविदाएं, और बैटरी विनिर्माण और पंप भंडारण जलविद्युत के लिए सहायक सरकारी हस्तक्षेप शामिल हैं। भारतीय केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने वर्ष 2030-32 तक लगभग 400 गीगावाट-घंटे

(जीडब्ल्यूएच) की भंडारण आवश्यकता का अनुमान लगाया है, जिसमें अनुमानित निवेश 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक है ।

इरेडा प्रतिस्पर्धी दरों पर उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए नवीन उत्पादों के प्रावधान के माध्यम से लगातार नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण में सबसे आगे रहा है और भारत में ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों की तैनाती का समर्थन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।